

नगरवासियों, ये गाना है उस बन्दे के लिये, जिसे वर्ष 1995 में, मां-पापा ने रामलीला मैदान में जलते रावण को देखने जाने के लिए मना कर दिया था, बोला बेटा! आवास विकास कॉलोनी से बहुत दूर है मैदान.... तुम खो जाओगे।

परिस्थिति से मायूस हुये बगैर, उस लड़के ने अपने साथियों संग निश्चय किया और खुद सतीश गुप्ता कपड़ा वालों के यहां से गत्ते लाकर रावण बनाया और जलते हुये रावण को देखने का अपना सपना पूरा किया। रावण दहन की ये जिद्द यही तक नहीं रुकी बल्कि लगातार 8 वर्षों तक खुद में 4 फिट का होकर 15 फुट तक के दशानन का पुतला दहन के साथ साथ, बालमेला और देवी जागरूण जैसे कार्यक्रम आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 3 पार्क में कराये।

छिबरामऊ के बजरिया मोहल्ले में जन्मे और मोहल्ला दीक्षितान, सराफान, कस्सावान के पास बनबारी नगर में रहने वाले अमर त्रिपाठी गौरव, आज, छिबरामऊ में सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, खेल, व्यापारिक और तकनीकी विकास के प्रयासों के लिए जाने जाते हैं।

बिना किसी जाति या धर्म भेद के, सर्वधर्म और सर्वजन के लिये काम करने वाले नगर के गौरव, भाई अमर त्रिपाठी ने नगर के लिये जो सोचा, जो कहा, वो पूरा करने के लिये किसी सिस्टम के भरोसे नहीं रहे। और अपने बुद्धि कौशल से नगर को एक से एक उपलब्धियां दी।

तो आइये इस गीत के माध्यम से उनके प्रयास और भविष्य की योजनाओं को समझते हुये अपने नगर के लिये हम सब संकल्प लेते हैं। कि.....

.....

जो एमसीएमआर बनाये है, जो महोत्सव कराये है!

जो एमसीआरएमआर बनाये है, जो महोत्सव कराये है!

अपने नगर को हम, अपने नगर को हम.... आधुनिक बनायेंगे।

छिबरामऊ में अब, अमर को लायेंगे,नगर के गौरव को सब मिल, बढ़ायेंगे....

छिबरामऊ में अब अमर को लायेंगे, नगर के गौरव को हम सब बढ़ायेंगे.... 9

जब छिबरामऊ में टैलेन्ट को मंच नहीं मिल रहा था, गली-मोहल्ले और नुक्कड़ पर प्रतिभाये दम तोड़ रही थी। उन दम तोड़ती प्रतिभाओं के दर्द को समझने वाले गौरव ने, 12 वर्ष पहले जिस छिबरामऊ महोत्सव की नींव रखी, वो महोत्सव आज पूरे छिबरामऊ और कन्नौज जिले की शान है। प्रतिवर्ष महोत्सव में आज नगर की महिलाये, बच्चे, बुजुर्ग, किन्नर, कवि, शिक्षक, व्यापारी, चिकित्सक साथ मिलकर एकता का संदेश दे रहे हैं।

तो क्यों न चुने हम ऐसे व्यक्ति को..... म्यूजिक

‘टूट रही थी प्रतिभा, मंचों के ख्वाब लिये...

‘बीत गये थे बरसों, सामाजिक खास हुये...

प्रतिभा खोजने वाला, नगर एक करने वाला, (सबको साथ रखने वाला.....)

बन्दा ये कमाल है.....

जो संस्कृति विरासत के, मंच सजाये है,

छिबरामऊ में अब, अमर को लायेंगे,नगर के गौरव को सब मिल, बढ़ायेंगे....